

नाम का गंध द्रव्य 11. कुटकी 12. राई 13. अग्नि की सात जिह्वाओं में से एक 14. एक योगिनी 15. काले पत्ते वाली तुलसी 16. आँखों की पुतली।

कृष्णागुरु पुं. (तत्.) काला अगर, काला चंदन।

कृष्णागुरुवर्त्तिका स्त्री. (तत्.) काले अगर की बत्ती।

कृष्णाचल पुं. (तत्.) 1. रैवतक पर्वत, प्राचीन द्वारका इसी पर्वत पर थी 2. नीलगिरि पर्वत।

कृष्णाजिन पुं. (तत्.) 1. काले मृग का चमड़ा, मृगचर्म 2. एक प्राचीन ऋषि का नाम।

कृष्णार्पण पुं. (तत्.) कृष्ण के निमित्त अर्पण करना या देना।

कृष्णाष्टमी स्त्री. (तत्.) भादों के कृष्णपक्ष की अष्टमी, जिस दिन श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था, कृष्ण जन्माष्टमी।

कृष्य वि. (तत्.) कर्षण या खेती के योग्य जैसे-कृष्य भूमि।

कैं कैं स्त्री. (अनु.) 1. चिड़ियों का कष्ट सूचक शब्द 2. झगड़ा या असंतोषमूलक शब्द।

केंचुआ पुं. (तद्.) 1. एक बरसाती लंबा कीड़ा 2. केंचुए के आकार का सफेद कीड़ा जो मल द्वारा पेट से बाहर निकलता है।

केंचुल स्त्री. (तद्.) सर्प आदि के शरीर की त्वचा या खोल जो प्रतिवर्ष स्वयं अलग होकर गिर जाती है मुहा. केंचुल बदलना-पोशाक बदलना, कपड़ा बदलना।

केंचुली स्त्री. (तद्.) सर्प आदि के शरीर की त्वचा या खोल जो प्रतिवर्ष स्वयं उतर जाती है।

केंद्र पुं. (तत्.) 1. किसी वृत्त के अंदर का वह भाग या बिंदु जिससे परिधि तक खींची गई सब रेखाएँ बराबर हों, नाभि 2. किसी निश्चित अंश से 90, 180, 270 और 360 अंश के अंतर का स्थान 3. ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के दो केंद्र-शीघ्र केंद्र और मंद केंद्र 4. फलित के अनुसार कुंडली में पहला, चौथा, सातवाँ और दसवाँ स्थान 5. मुख्य या प्रधान स्थान 6. सदा रहने का स्थान

7. बीच का स्थान 8. किसी वस्तु के उत्पादन, वितरण आदि का स्थान, सेंटर।

केंद्रगामी वि. (तत्.) केंद्र की ओर गमन करने वाला।

केंद्रस्थ वि. (तत्.) जो केंद्र में स्थित हो, केंद्रस्थान।

केंद्राभिमुखी वि. (तत्.) 1. केंद्र की ओर जाने वाला, केंद्र का समर्थन करने वाला।

केंद्रिक वि. (तत्.) केंद्र में बने रहने वाला, केंद्रसंबंधी, केंद्र का, केंद्रीय।

केंद्रित वि. (तत्.) 1. केंद्र में स्थित 2. निश्चित स्थान पर एकत्रित।

केंद्रीभूत वि. (तत्.) केंद्र में स्थित या एकत्रित, पुंजीभूत।

केंद्रीय वि. (तत्.) 1. केंद्रसंबंधी 2. केंद्रस्थ, केंद्र में स्थित 3. मुख्य, वरिष्ठ, प्रधान, श्रेष्ठ।

के पुं. (हि.) संबंधसूचक 'का' विभक्ति का बहुवचन का रूप जैसे-मोहन के पैसे।

केक पुं. (अं.) चीनी फल और आटे के मिश्रण द्वारा तैयार की हुई एक तरह की अंगरेजी मिठाई जो गोल तथा ऊँची होती है।

केकड़ा पुं. (तद्.) पानी का एक कीड़ा जिसकी आठ टाँगें और दो पंजे होते हैं।

केकय पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन देश का नाम जो व्यास और शाल्मली नदी के दूसरी ओर था, अब यह कश्मीर राज्य के अंतर्गत है 2. केकय देश का निवासी या राजा 3. दशरथ के श्वसुर और कैकई के पिता का नाम।

केकयी स्त्री. (तत्.) 1. केकय देश की स्त्री 2. राजा दशरथ की रानी जिससे भरत जी उत्पन्न हुए थे दे. कैकेयी।

केकर पुं. (तत्.) 1. ऐँचा, भेंगा 2. तंत्र में चार अक्षरों का एक मंत्र।

केका स्त्री. (तत्.) मोर, मोर की बोली, मोर की कूक।